जनसंपर्क विभाग
अमेरिकी दूतावास

प्रेस समाचार

शांतिपथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली 110021 दूरभाष: 011-24198000 एक्सटेंशन: 8827 फैक्स: 011-24198817
ईमेल: mpl@pd.state.gov इंटरनेट वेबसाइट: http://usembassy.state.gov/delhi.html

7 सितंबर, 2005

भारतीय वैज्ञानिक को 2005 का वर्ल्ड फूड पुरस्कार मिला

नई दिल्ली -- अमेरिका में भारतीय वैज्ञानिक डा. मोडाडुगु वी. गुप्ता को 250,000 (ढाई लाख) डॉलर का वर्ल्ड फूड प्राइज मिला है। यह पुरस्कार उन्हें जलीय-कृषि व मत्स्य-पालन का विस्तार करके एक मिलियन से अधिक लोगों, अधिकांशत: बहुत गरीब महिलाओं में पोषण को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदान किया गया है। डा. गुप्ता 13 अक्तूबर, 2005 को डेस मोइन, आयोवा में पुरस्कार ग्रहण करेंगे।

डा. गुप्ता के नाम की घोषणा वाशिंगटन डीसी. में अमेरिकी विदेश विभाग में एक समारोह में वर्ल्ड फूड प्राइज फाउंडेशन के अध्यक्ष एम्बैसेडर केनेथ एम. क्विन ने की। समारोह की अध्यक्षता अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) के प्रशासक एन्ड्रयू नैत्सिओस और एक्टिंग अंडरसेक्रेटरी ऑफ स्टेट ई. एंथोनी वेन ने की।

डा. गुप्ता का इस सम्मान के लिए चयन विश्व बैंक के कंसल्टेटिव ग्रुप ऑन इंटरनेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च (सीजीआईएआर) के एक सदस्य के रूप में उनके तीन दशकों से वर्ल्ड फिश सेंटर में किए गए कार्य के आधार पर किया गया है। उनके समर्पित तथा सतत् प्रयासों से बंगलादेश, लाओस तथा दक्षिणपूर्व एशिया के अन्य देशों में डा. गुप्ता ने एक लाख से अधिक गरीब किसानों तथा महिलाओं के परिवारों को पोषण तथा कल्याण हेतु लघु स्तरीय मत्स्य पालन को व्यवहारिक बनाया है। डा. गुप्ता ने बताया कि इसके परिणामस्वरूप इन देशों में ताजा पानी में मछली उत्पादन में तेजी के साथ तीन से पांच गुनी वृद्धि हुई है।

डेस मोइन में वर्ल्ड फूड प्राइज फाउंडेशन का कहना है कि उन्होंने 31 वर्ष जलीय-कृषि तथा कुल 40 वर्ष के मत्स्य अनुसंधान में डा. गुप्ता ने बार-बार गरीबों की सहायता के लिए सफलतापूर्वक उपाय खोजे। इनमें मत्स्य पालक बन गए भूमिहीन किसान तथा महिलाएं सम्मिलित हैं। उन्होंने मत्स्य पालन की अनोखी पद्धति विकसित की जिसमें बिना किसी पर्यावरणीय हानि के बहुत कम लागत की आवश्यकता है।

फलस्वरूप भूमिहीन किसान तथा गरीब महिलाओं ने लाखों छोड़े हुए तालाबों, सड़कों के किनारे के गढ्ढों, बरसात में पानी भर जाने वाले खेतों तथा अन्य पानी वाली जगहों को खाद्य और आय के लिए मछली उत्पादन की छोटी फैक्टरियों में बदल दिया है। एशिया में प्राप्त सफलता को अफ्रीकी देशों में दोहराने के लिए डा. गुप्ता वैसे ही मानदंड लागू करने के लिए इन देशों के साथ कार्य कर रहे हैं।

वर्ल्ड फूड प्राइज की कल्पना 1970 के नोबेल प्राइज प्राप्त करने वाले डा. नॉरमैन बोरलंग ने की थी। 1986 में स्थापित इस पुरस्कार को पाने वाले डा. गुप्ता छठे भारतीय हैं। इससे पहले इस पुरस्कार को पाने वालों डा. एम.एस. स्वामीनाथन, 1987; डा. वर्गीस कुरियन, 1989; डा. गुरुदेव खुश, 1996; बी.आर. बारवाले, 1998 और डा. सुरिन्दर के. वासल, 2000 सम्मिलित हैं।

***